प्रो. राजकुमार फुलवरिया, श्री मुकुंद बिहारी ने विचार रखे।

- 13 जुलाई, 2017– जम्मू में भू-सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर व्याख्यान का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्यवक्ता माननीय सहसरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबले, जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री श्री निर्मल सिंह रहे।
- 18 जुलाई, 2017– तिरुवनंतपुरम में एकात्म मानवदर्शन व्याख्यान में केरल के लिए एक वैकल्पिक विकास मॉडल विषय पर चर्चा की गई, जिसमें मुख्यवक्ता पूर्व केन्द्रीय मंत्री व सांसद श्री राजीव प्रताप रुड़ी रहे।
- 30 जुलाई, 2017–गुवाहाटी में एकात्म मानवदर्शन पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यवक्ता केन्द्रीय कानून मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद रहे।
- 14 अगस्त, 2017– इन्दौर में एकात्म मानवदर्शन व्याख्यान पर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री सुरेश जोशी (भय्याजी) का मार्गदर्शन हुआ।
- 23 अगस्त, 2017–कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में एकात्म मानवदर्शन की प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान हुई। जिसमें मुख्यवक्ता सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी, कुलपति श्री कैलाशचंद्र शर्मा एवं डीआरआई के प्रधान सचिव श्री अतुल जैन रहे।
- 24 सितंबर, 2017– उत्तरांचल के हल्द्वानी में एकात्म मानवदर्शन समग्र विकास हेतु दिशाबोध विषय पर उत्तरांचल उत्थान परिषद एवं डीआरआई के संयुक्त तत्वाधान में व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख वक्ता डा. महेश शर्मा, डॉ.बी.एस. बिष्ट, डॉ शिवेंद्र कश्यप, श्री प्रेम बराकोटी रहे।
- 6-7-8 अक्टूबर, 2017– राष्ट्रीय कारीगर परिषद द्वारा परम्परागत कारीगरी विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्यवक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माननीय सहसरकार्यवाह श्री सुरेश सोनी, केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री हंसराज अहिर, श्री सुरेश सोहनी, श्री प्रभाकर राव मुंडले, श्री अभय महाजन रहे।
- 26-27 अक्टूबर, 2017– मुख्यधारा के निर्णय लेने में महिलाओं की भूमिका विषय पर पुणे में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यवक्ता श्रीमती गीताताई गुंडे, प्रो. अनिरुद्ध देशपांडे, श्रीमती निर्मला आप्टे, श्रीमती ज्योति चौथवाईवाला, डॉ दिव्या गुप्ता, श्रीमती निरुपमा देशपांडे, श्रीमती शताब्दी पांडे, डॉ पूर्णिमा आडवाणी, श्रीमती विजया रहटकर, डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे, श्रीमती अर्चना चिटनिस रहे।
- 4-5 नवंबर, 2017–उत्तरांचल के अलमोड़ा में दैशिक शास्त्र पर कार्यशाला हुई। जिसमें प्रमुख वक्ता पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री मुरली मनोहर जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री श्री भगत सिंह कोश्यारी एवं पूर्व मंत्री प्रकाश पंत रहे।
- 18 नवंबर, 2017– अजमेर में एकात्म मानवदर्शन व्याख्यान पर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री सुरेश जोशी (भय्याजी) का मार्गदर्शन हुआ।
- 14 दिसम्बर 2017– जयपुर में एकात्म मानवदर्शन व्याख्यान पर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री सुरेश जोशी (भय्याजी) का मार्गदर्शन हुआ।
- 24 जनवरी, 2018– कोलकता में एकात्म मानवदर्शन व्याख्यान पर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री सुरेश जोशी (भय्याजी) का मार्गदर्शन हुआ।
- 28 जनवरी 2018– महाराष्ट्र के जलाव्ब में सुरभि सेवा प्रकल्प एवं डीआरआई के संयुक्त तत्वाधान में जल कार्यशाला का आयोजन हुआ।
- दीनदयालजी के एकात्म मानवदर्शन को कथा रूप में प्रस्तुत किया गया। इसका आयोजन दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा किया गया। कथावाचक श्री आलोक कुमारजी रहे।

  16-17-18 दिसंबर, 2016 को भोपाल।

  26-27-28 जून, 2017 को इंदौर।

  24-25 सितंबर, 2017 को मुम्बई।

  5-6 अक्टूबर, 2017 को रायपुर।